एक बार चाँद...

बादल घने काले हो गए। तेज़ आँधी चलने लगी और पेड़ गिरने लगे। तालाब में पानी भर गया। झुग्गी में भी पानी भर गया।

महल में भी पानी भरने वाला था। राजा ने सोचा, "ये पानी कहाँ जा रहा है?" उसने बाहर जाकर देखा तो बहुत तेज़ बारिश हो रही थी।

राजा ने सोचा, "पानी रोक दूँ।" पर वो किसी के बस में नहीं था। वो डरकर महल के अन्दर छुप गया। रानी से कहा, "बाहर मत जाना।"

तभी एक कौवा उड़कर आया और राजा से बोला, "मुझे कहीं छुपा लो। मुझे ठण्ड लग रही है।" राजा उसे भगाने लगा।

यह देखकर रानी ने कहा, "कौवे तुम मेरे पास आओ। मेरी गोद में सो जाओ।" यह सब चाँद देख रहा था। उसे अच्छा लगा कि रानी ने कौवे को बुलाया और मदद की। चाँद बहुत खुश हो गया और थोड़ी देर बाद बारिश बन्द हो गई।

—मुस्कान, चौथी, भोपाल

चित्रः सिद्धार्थ

282 • मार्च 2010

चकमक

बाल विज्ञान पत्रिका

2 मैं पेमा तामंग...
5 दो भाई
6 दुनिया के रंग हज़ार
8 वो मनहूस दिन
10 सीरिज़ हारी, पर दिल जीता
12 शीशा ही तो है फोड़ा
13 मेरा पन्ना
14 धुन सूर्यग्रहण देखने की
18 डांसिंग एट दी लुव्र
20 प्रिंटेड रेनबो
22 सुन्दर कौन है?
26 दादागिरी
28 गूँज उठी शहनाई
32 तुम कभी अल्मोड़ा आए हो?
36 कहानी अप्पूकुट्टन की...

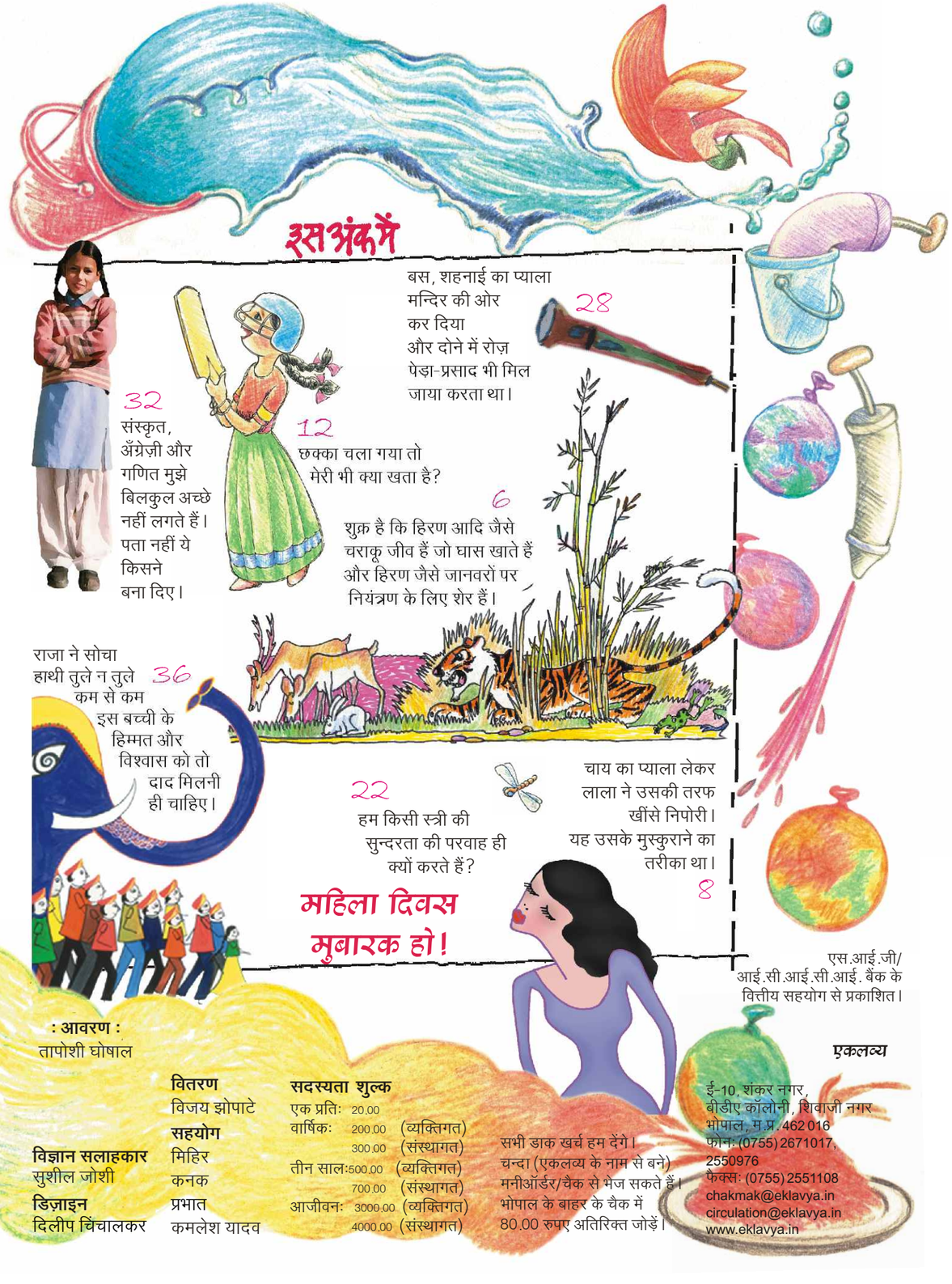

सम्पादन
सुशील शुक्ल
शशि सबलोक

सहायक सम्पादक
कविता तिवारी

सम्पादकीय सलाहकार
रेक्स डी रोज़ारियो
तेजी ग्रोवर

: आवरण :
तापोशी घोषाल

विज्ञान सलाहकार
सुशील जोशी

डिज़ाइन
दिलीप चिंचालकर

वितरण
विजय झोपाटे

सहयोग
मिहिर
कनक
प्रभात
कमलेश यादव

सदस्यता शुल्क
एक प्रतिः 20.00
वार्षिकः 200.00 (व्यक्तिगत)
300.00 (संस्थागत)
तीन सालः 500.00 (व्यक्तिगत)
700.00 (संस्थागत)
आजीवनः 3000.00 (व्यक्तिगत)
4000.00 (संस्थागत)

सभी डाक खर्च हम देंगे।
चन्दा (एकलव्य के नाम से बने) मनीऑर्डर/चैक से भेज सकते हैं।
भोपाल के बाहर के चैक में 80.00 रुपए अतिरिक्त जोड़ें।

एस.आई.जी/ आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के वित्तीय सहयोग से प्रकाशित।

एकलव्य

ई-10, शंकर नगर,
बीडीए कॉलोनी, शिवाजी नगर
भोपाल, म.प्र. 462 016
फोनः (0755) 2671017, 2550976
फैक्सः (0755) 2551108
chakmak@eklavya.in
circulation@eklavya.in
www.eklavya.in